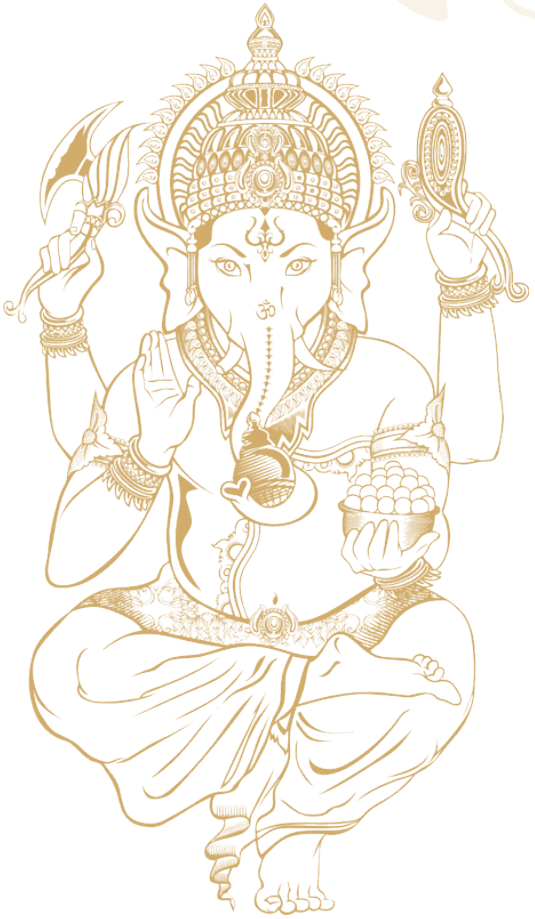

Mr.nagi

23 Aug 1996

03:13 AM

Garhshankar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119074502

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
22-23/08/1996	जन्म तिथि	**23/08/2025**
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 03:13:00	जन्म समय	13:29:03 घंटे
घटी 53:14:19	जन्म समय(घटी)	18:52:57 घटी
India	देश	India
Garhshankar	स्थान	Garhshankar
उत्तर 31:12:00	अक्षांश	31:12:00 उत्तर
पूर्व 76:11:00	रेखांश	76:11:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:16	स्थानिक संस्कार	-00:25:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:55:16	सूर्योदय	05:55:52
18:59:12	सूर्यास्त	18:59:14
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59
कर्क	लग्न	वृश्चिक
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृश्चिक	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
अनुराधा	नक्षत्र	मघा
शनि	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	3
वैधृति	योग	शिव
बालव	करण	किंस्तुघ्न
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	वनचर
मृग	योनि	मूषक
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मूषक
29	गत/तत्कालिक वर्ष	30

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पुनर्वसु	4	01:11:16	कर्क		
मघा	2	06:14:33	सिंह		
अनुराधा	4	15:49:06	वृश्चि		
पुनर्वसु	2	24:46:10	मिथु		
उ०फाल्गुनी	3	03:31:06	कन्या		
पूर्वाषाढ़ा	1	14:13:28	धनु	व	
पुनर्वसु	1	20:30:42	मिथु		
उ०भाद्रपद	3	12:35:35	मीन	व	
हस्त	2	14:51:19	कन्या	व	
उ०भाद्रपद	4	14:51:19	मीन	व	
उत्तराषाढ़ा	4	07:42:45	मक	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृश्चि	11:48:58	3	अनुराधा
सूर्य			सिंह	06:14:33	2	मघा
चंद्र			सिंह	07:11:02	3	मघा
मंगल			कन्या	16:06:30	2	हस्त
बुध			कर्क	18:26:26	1	आश्लेषा
गुरु			मिथु	22:02:46	1	पुनर्वसु
शुक्र			कर्क	02:58:47	4	पुनर्वसु
शनि	व		मीन	06:22:28	1	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	24:06:19	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	24:06:19	4	पू०फाल्गुनी
मु			धनु	01:11:16	1	मूल

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

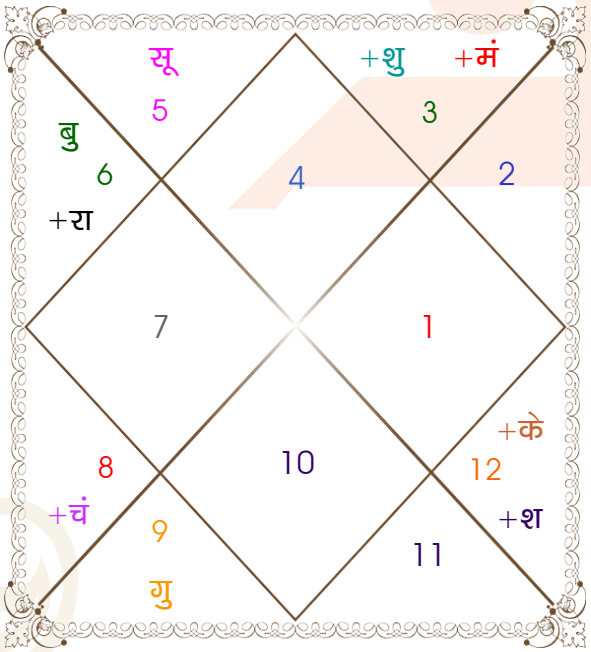

वर्ष लग्न कुंडली

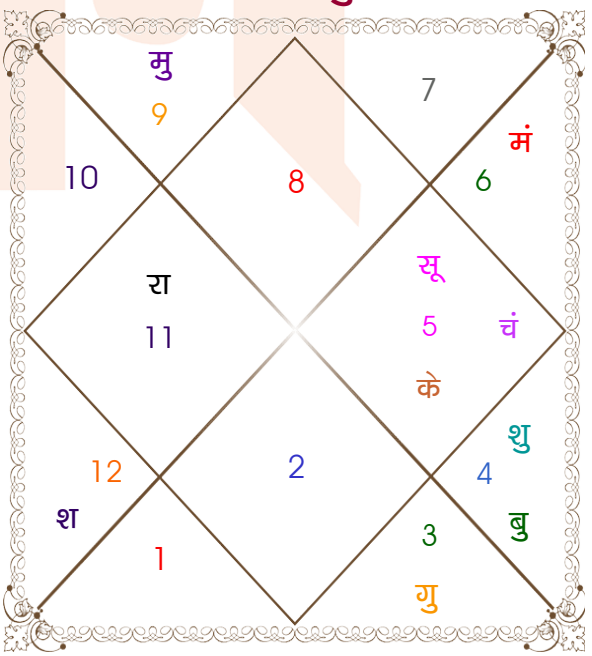

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - सूर्य - गुरु	
11/07/2025 23:56	
29/08/2025 16:44	
गुरु	18/07/2025 11:46
शनि	26/07/2025 04:50
बुध	02/08/2025 02:25
केतु	04/08/2025 22:36
शुक्र	13/08/2025 01:24
सूर्य	15/08/2025 11:50
चंद्र	19/08/2025 13:14
मंगल	22/08/2025 09:25
राहु	29/08/2025 16:44

शुक्र - सूर्य - शनि	
29/08/2025 16:44	
26/10/2025 12:41	
शनि	07/09/2025 20:30
बुध	16/09/2025 01:07
केतु	19/09/2025 10:05
शुक्र	29/09/2025 01:25
सूर्य	01/10/2025 22:48
चंद्र	06/10/2025 18:28
मंगल	10/10/2025 03:26
राहु	18/10/2025 19:37
गुरु	26/10/2025 12:41

शुक्र - सूर्य - बुध	
26/10/2025 12:41	
17/12/2025 06:32	
बुध	02/11/2025 20:37
केतु	05/11/2025 21:03
शुक्र	14/11/2025 12:02
सूर्य	17/11/2025 02:07
चंद्र	21/11/2025 09:37
मंगल	24/11/2025 10:03
राहु	02/12/2025 04:20
गुरु	09/12/2025 01:55
शनि	17/12/2025 06:32

शुक्र - सूर्य - केतु	
17/12/2025 06:32	
07/01/2026 13:53	
केतु	18/12/2025 12:22
शुक्र	22/12/2025 01:35
सूर्य	23/12/2025 03:09
चंद्र	24/12/2025 21:46
मंगल	26/12/2025 03:36
राहु	29/12/2025 08:18
गुरु	01/01/2026 04:29
शनि	04/01/2026 13:27
बुध	07/01/2026 13:53

शुक्र - सूर्य - शुक्र	
07/01/2026 13:53	
09/03/2026 10:53	
शुक्र	17/01/2026 17:23
सूर्य	20/01/2026 18:26
चंद्र	25/01/2026 20:11
मंगल	29/01/2026 09:25
राहु	07/02/2026 12:34
गुरु	15/02/2026 15:22
शनि	25/02/2026 06:41
बुध	05/03/2026 21:40
केतु	09/03/2026 10:53

शुक्र - चंद्र - चंद्र	
09/03/2026 10:53	
29/04/2026 04:23	
चंद्र	13/03/2026 16:21
मंगल	16/03/2026 15:22
राहु	24/03/2026 05:59
गुरु	31/03/2026 00:19
शनि	08/04/2026 01:06
बुध	15/04/2026 05:34
केतु	18/04/2026 04:36
शुक्र	26/04/2026 15:31
सूर्य	29/04/2026 04:23

शुक्र - चंद्र - मंगल	
29/04/2026 04:23	
03/06/2026 16:38	
मंगल	01/05/2026 06:06
राहु	06/05/2026 13:56
गुरु	11/05/2026 07:34
शनि	16/05/2026 22:31
बुध	21/05/2026 23:15
केतु	24/05/2026 00:58
शुक्र	29/05/2026 23:00
सूर्य	31/05/2026 17:37
चंद्र	03/06/2026 16:38

शुक्र - चंद्र - राहु	
03/06/2026 16:38	
03/09/2026 00:08	
राहु	17/06/2026 09:22
गुरु	29/06/2026 13:34
शनि	14/07/2026 00:33
बुध	26/07/2026 23:01
केतु	01/08/2026 06:51
शुक्र	16/08/2026 12:06
सूर्य	21/08/2026 01:40
चंद्र	28/08/2026 16:18
मंगल	03/09/2026 00:08

शुक्र - चंद्र - गुरु	
03/09/2026 00:08	
23/11/2026 04:08	
गुरु	13/09/2026 19:52
शनि	26/09/2026 16:18
बुध	08/10/2026 04:16
केतु	12/10/2026 21:54
शुक्र	26/10/2026 10:34
सूर्य	30/10/2026 11:58
चंद्र	06/11/2026 06:18
मंगल	10/11/2026 23:56
राहु	23/11/2026 04:08

शुक्र - चंद्र - शनि	
23/11/2026 04:08	
27/02/2027 13:23	
शनि	08/12/2026 10:24
बुध	22/12/2026 02:07
केतु	27/12/2026 17:03
शुक्र	12/01/2027 18:35
सूर्य	17/01/2027 14:15
चंद्र	25/01/2027 15:01
मंगल	31/01/2027 05:58
राहु	14/02/2027 16:57
गुरु	27/02/2027 13:23

शुक्र - चंद्र - बुध	
27/02/2027 13:23	
24/05/2027 19:08	
बुध	11/03/2027 18:36
केतु	16/03/2027 19:20
शुक्र	31/03/2027 04:18
सूर्य	04/04/2027 11:47
चंद्र	11/04/2027 16:16
मंगल	16/04/2027 17:00
राहु	29/04/2027 15:27
गुरु	11/05/2027 03:25
शनि	24/05/2027 19:08

शुक्र - चंद्र - केतु	
24/05/2027 19:08	
29/06/2027 07:23	
केतु	26/05/2027 20:51
शुक्र	01/06/2027 18:53
सूर्य	03/06/2027 13:30
चंद्र	06/06/2027 12:31
मंगल	08/06/2027 14:14
राहु	13/06/2027 22:05
गुरु	18/06/2027 15:43
शनि	24/06/2027 06:39
बुध	29/06/2027 07:23

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव भी विद्य मान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा सन्तुष्टि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा परस्पर कलह एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। साथ ही आपका सम्मान भी मध्यम रहेगा। मित्र एवं संबन्धियों से भी कोई मतभेद या तनाव हो सकता है। संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष भी इस समय आपके लिए अनावश्यक समस्याएं या व्यवधान भी उत्पन्न कर सकता है। आपका दाम्पत्य जीवन इस समय मध्यम रहेगा तथा स्त्री से कोई मतभेद या तनाव का वातावरण रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा व्यापार में इस समय आपके उन्नति तथा सफलता के मार्ग में व्यवधान आएंगे साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब होगा तथा अनावश्यक व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस समय आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा परन्तु आर्थिक स्थिति भी सन्तोष प्रद रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। अतः ऐसे समय में आपको इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए जिससे कोई समस्या उत्पन्न न हो सके। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।